वर्ष-8 | अंक 40 | 27 मई से 02 जून 2024 तक | पृष्ठ-12 | MPHIN/2015/63623

न्यूज क्राइम फाइल

आमंत्रण मुल्य 15/-

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

मतगणना राउंड, टेबिल व्यवस्था का इंस्पेक्शन

52 जिला मुख्यालयों में हो रही काउंटिंग की तैयारी

सीईओ एमपी इलेक्शन की टीम कर रही जिलों का दौरा

उदय प्रताप सिंह चौहान

4 जून को होने वाली मतगणना के लिए प्रदेश के 52 जिला मुख्यालयों में कलेक्टर तैयारियां करा रहे हैं। इसके लिए मतगणना दलों को ट्रेनिंग देने के साथ मतगणना एजेंट्स को भी लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के आधार पर प्रशिक्षण देने का काम किया जा रहा है। इस बीच मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भी अपने दफ्तर के अफसरों के साथ अलग-अलग जिला मुख्यालयों में स्ट्रांग रूम की व्यवस्था और मतगणना की तैयारियों का जायजा लेने के लिए पहुंच रहे हैं। इसके लिए अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी और संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी समेत उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कैडर के अफसरों को जिलों में भेजा जा रहा है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन इंदौर में मतगणना स्थल का निरीक्षण करने के लिए गुरुवार को इंदौर पहुंचने वाले हैं।

इसके अलावा उनका सीहोर और देवास के मतगणना स्थलों व स्ट्रांग रूम का इंस्पेक्शन किया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन ने सीहोर जिला मुख्यालय में विधानसभावार बनाए गए मतगणना कक्षों में जाकर तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही डाक मतपत्रों की गणना के लिए की जा रही तैयारियों, स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था को भी देखा। उन्होंने मतगणना टेबिल, मतगणना कार्य में संलग्न अमले की संख्या, सुरक्षा व्यवस्था, डाक मतपत्रों की संख्या आदि के बारे में जानकारी ली। साथ ही मतगणना स्थल परिसर में सूर्याशियों के प्रतिनिधियों के लिए स्ट्रॉंग रूम का सीसीटीवी लाइव डिस्प्ले तथा कक्ष से ही स्ट्रांग रूम की मॉनिटरिंग संबंधी व्यवस्था को देखा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन ने निर्देश दिए कि लोकसभा चुनाव की मतगणना 4 जून 2024 को सुबह 8 बजे से मतगणना प्रारंभ होगी। उन्होंने मतगणना के दिन विद्युत की सतत् आपूर्ति हो और किसी भी वजह से मतगणना कार्य प्रभावित न हो, यह व्यवस्ता करने के निर्देश दिए। इसके पहले अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजेश कुमार कौल ने नरसिंहपुर और मंडला जिला मुख्यालयों में बनाए गए स्ट्रांग रूम और मतगणना स्थल का जायजा लिया है। साथ ही संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मनोज खत्री भी कुछ जिलों का दौरा कर चुके हैं। यहां पदस्थ संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विवेक श्रोत्रिय और तरुण राठी के अलावा उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों को भी एक जून तक जिलों में भेजने की तैयारी है।

राउंड की डिटेल और टेबिल का ब्यौरा ले रहे अधिकारी

मतगणना स्थलों का जायजा लेने के दौरान अधिकारियों की टीम मतगणना के राउंड और यहां लगाई जाने वाली टेबिलों की संख्या के बारे में भी जानकारी ले रही है। साथ ही कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारियों से यह भी पूछा जा रहा है कि स्ट्रांग रूम में सख्त सुरक्षा के लिए क्या इंतजाम किए गए हैं? कलेक्टरों द्वारा बताए जाने वाले सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी भी मौके पर जाकर ली जा रही है। इसके साथ ही चुनाव आयोग की मंशा के मुताबिक मतगणना स्थल को लेकर प्रत्याशियों और उनके समर्थकों के प्रतिनिधिमंडल से भी ये अधिकारी चर्चा कर रहे हैं ताकि प्रत्याशी को चुनाव आयोग की व्यवस्था को लेकर किसी तरह का असमंजस न रहे।

फायर सेफ्टी के मापदंड का पालन न होने पर होगी कार्रवाई

अस्पतालों, नर्सिंग होम्स की जांच करेंगे नगर निकाय

संजीव कुमार

प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में बने सरकारी और निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम्स की जांच होगी। भीषण गर्मी के दौर में आग लगने की घटनाओं को देखते हुए नगरीय विकास और आवास विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टरों और नगरीय निकाय प्रमुखों से कहा है कि अस्पताल और नर्सिंग होम्स की फायर सेफ्टी की जांच कराकर रिपोर्ट दी जाए। इसको लेकर पिछले माह स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव ने नगरीय विकास को पत्र लिखा था, और गर्मी में होने वाली आगजनी की घटनाओं के मद्देनजर फायर सेफ्टी ऑडिट की रिपोर्ट लेने के लिए कहा था। कमिश्नर नगरीय विकास द्वारा जारी निर्देश में कहा है कि ग्रामीण क्षेत्र, नगर निगम, नगर पालिका, नगर परिषद में संचालित अस्पताल और नर्सिंग होम्स की जांच 15 दिन में कराकर रिपोर्ट भेजें और इनमें चुनाव आचार संहिता के प्रावधानों का भी ध्यान रखें। अगर कहीं फायर सेफ्टी मापदंडों का पालन नहीं हो रहा है तो वहां नियमानुसार कार्यवाही की जाए और फायर सेफ्टी के इंतजाम कराए जाएं। सूत्रों के अनुसार नियमों का पालन न होने पर पंजीयन निरस्त करने संबंधी प्रस्ताव भी मांगे गए हैं।

इन सुरक्षा मानकों कराएंगे जांच दल

■नर्सिंग होम्स और अस्पतालों के पास नेशनल बिल्डिंग कोड के अंतर्गत फायर सेफ्टी ऑडिट की रिपोर्ट के साथ इसका एनओसी है या नहीं है।

■भवन में सभी संबंधित फायर प्रोटेक्शन सिस्टम चालू हैं या नहीं हैं।

■फायर सेफ्टी इक्विपमेंट्स की रेगुलर मेंटेनेंस और टेस्टिंग होती है या नहीं, यह भी देखा जाएगा।

■डॉक्टर्स को फायर सेफ्टी को लेकर ब्रीफिंग और स्टाफ को ट्रेनिंग देने का काम हुआ है या नहीं।

■बेसमेंट में कम्बूसिटिबल्स और बैटरी बैंक का स्टोरेज तो नहीं है।

■आपात काल स्थिति में बाहर निकलने के रास्ते सही हैं या नहीं हैं।

■समय-समय पर फायर मॉकड्रिल होती है या नहीं होती।

■इलेक्ट्रिकल लोड बैलेंस का इनपुट और आउटपुट और इलेक्ट्रिकल लोड बैलेंस का ऑडिट है या नहीं है।

■बिल्डिंग में मल्टी प्लग और ओवर लोडिंग पावर सोर्स तो नहीं हैं।

जबलपुर में अस्पताल में आग लगने से हुई थी 8 मौतें

स्वास्थ्य विभाग ने गर्मी के कारण अस्पतालों की फायर ऑडिट कराने के निर्देश इसलिए भी दिए हैं क्योंकि साल भर पहले जबलपुर में एक निजी अस्पताल में आग लगने से आठ मरीजों और अटैंडरों की मौत हो गई थी। इस मामले में तब यह खुलासा हुआ था कि आग लगने की स्थिति में अस्पताल में बचाव के लिए फायर उपकरण काम नहीं कर रहे थे और आपात स्थिति में सुरक्षित निकलने के इंतजाम भी नहीं थे।

भोपाल में बदमाशों के निशाने पर पुलिस कॉलोनी

एक दर्जन से अधिक वाहनों में तोड़फोड़ कर बदमाश फरार

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल की जहांगीराबाद थाना इलाके में स्थित तीन मंजिल पुलिस लाइन और रुस्तमजी परिसर में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात अज्ञात बदमाशों ने पुलिसकर्मियों के आधा दर्जन चार पहिया वाहनों में तोड़फोड़ कर दी। वारदात को अज्ञात बदमाशों ने अंजाम दिया है। शनिवार की सुबह स्थानीय रहवासियों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। एसआई लक्ष्मण शर्मा ने बताया कि तीन मंजिला पुलिस लाइन में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात अज्ञात बदमाशों ने पार्किंग में खड़ी करीब आधा दर्जन वाहनों को निशाना बनाया। बदमाशों ने सभी वाहनों के कांच फोड़ दिए और फरार हो गए। इसी तरह से आधा दर्जन से अधिक वाहनों को रुस्तमजी परिसर में भी निशाना बनाया गया है। स्थानीय रहवासी कृष्णा घाड़गे के मुताबिक अज्ञात लोगों ने वारदात को अंजाम दिया है। रात करीब तीन बजे वाहनों में तोड़फोड़ की आवाजों के बाद रहवासी बाहर निकले थे। हालांकि इस दौरान बदमाश फरार हो चुके थे। तत्काल पुलिस को सूचना दी। सुबह पुलिस ने शिकायत दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की।

सीसीटीवी कैमरों में आरोपियों की तलाश

पुलिस आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

फिलहाल पुलिस को आरोपियों का कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। पुलिस का कहना है कि जल्द आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भोपाल में लिफ्ट लगाने के नाम पर ठगी

आरोपी ने चेक से ली करीब 4 लाख की पेमेंट, पुलिस तलाश में जुटी

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के बागसेवनियां क्षेत्र से ठगी का मामला सामने आया है। लिफ्ट लगाने के नाम पर आरोपी ने एक युवक से करीब 4 लाख रुपए की धोखाधड़ी की है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने चेक के माध्यम से पैसों का लेन देन किया था। पैसे आने के बाद आरोपी ने युवक का फोन उठाना बंद कर दिया। इस घटना की जानकारी युवक ने पुलिस थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 420, 406 के तहत मामला दर्ज कर कारवाई शुरू कर दी है। पुलिस युवक की तलाश में जुट गई है।

यह है पूरा मामला

बागसेवनियां पुलिस के अनुसार गोविंद सिंह तेजपाल का मकान एम्राल्ड सिटी में बन रहा है। उन्हें अपने डूप्लैक्स में लिफ्ट लगवानी थी। वे कई दिनों से इसके लिए जानकारी ले रहे थे। उन्हें कुछ समय पहले परिचित से पता लगा कि आरोपी सत्यशील बालखेड़े लिफ्ट लगाने का काम करता है। उन्होंने सत्यशील को कॉल कर घर बुलाया।आरोपी ने घर का पूरा मुआयना किया। घर का पूरी तरह से मुआयना करने के बाद आरोपी ने गोविंद सिंह से 5 लाख 20 हजार रुपए की मांग की। गोविंद सिंह ने आरोपी को चेक के माध्यम से 3 लाख 52 हजार रुपए की आधी पेमेंट की थी। कुछ दिनों के बाद आरोपी घर पर लिफ्ट में लगने वाले सामान लेकर आया। बताया जा रहा है कि जो सामान सत्यशील बालखेड़े लेकर आया था वह काफी खराब क्वालिटी का था। गोविंद सिंह से इन्हें लगाने के लिए मना कर दिया था। आरोपी ने कहा कि जब अच्छी क्वालिटी का सामान आएगा तब वह वापस काम शुरू करेगा। गोविंद सिंह ने जब अपनी पेमेंट की रसीद मांगी तो आरोपी ने उसे देने से मना कर दिया और वह वापस चला गया। आरोपी कई महीनों तक सामान नहीं आने का बहाना बनाता रहा और काम को टालता रहा। कुछ दिनों बाद आरोपी ने युवक का फोन उठाना भी बंद कर दिया। इसके बाद गोविंद सिंह ने इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई। पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है।

भोपाल में बिना वर्दी पर मिले सफाई दारोगा को नोटिस

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल बिना वर्दी के ड्यूटी पर मिले नगर निगम के एक सफाई दरोगा को नोटिस थमाया गया है। कमिश्नर हरेंद्र नारायण शनिवार को शहर के विभिन्न इलाकों में निरीक्षण करने पहुंचे थे। इस दौरान सड़क पर मलबा मिलने पर जुर्माना भी वसूला किया। कमिश्नर नारायण ने शनिवार को खिरनी वाला मैदान, ईदगाह हिल्स, वाजपेयी नगर मल्टी, बैरागढ़ मुख्य मार्ग का निरीक्षण किया, जबकि शाम को वे 12 दफ्तर के पास निर्माणाधीन गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन पर पहुंचे। खिरनी वाला मैदान (इकबाल मैदान) में डस्टबिन के नीचे कचरा पाए जाने पर कचरा हटाकर सफाई कराने के निर्देश दिए। सेंट जोसफ स्कूल के पीछे ट्रांसफार्मर के पास कचरे का ढेर हटाकर सफाई करने, वाजपेयी नगर मल्टी के रहवासियों को कचरा बाहर न फेंकने हेतु समझाइश देने और इसका स्थाई निदान सुनिश्चित करने को कहा। बिना वर्दी पहने कार्य स्थल पर मिले वार्ड नंबर-10 के दरोगा संजय टांक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

कंपनी के 5 में से 2 कर्मचारी गायब मिले

निगम कमिश्नर नारायण ने ईदगाह हिल्स स्थित गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन का भी निरीक्षण किया। वेस्टर्न कंपनी के 5 में से 2 कर्मचारी अनुपस्थित पाए जाने पर सभी कर्मचारियों को कार्य स्थल पर उपस्थित रहकर कार्य कराने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन पर गीले कचरे से निकलने वाले लीचेट को व्यवस्थित रखने, ड्रेनेज की निकासी हेतु पर्याप्त प्रबंध करने और हाइड्रोलिक की मरम्मत कराने को कहा।

नर्सिंग कॉलेजों में गड़बड़ी को लेकर एक्शन में सरकार

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश में नर्सिंग कॉलेजों में गड़बड़ियों को लेकर सरकार एक्शन में आ गई है। अब व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के लिए कुछ नए कदम भी उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अनियमितता को लेकर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए है। गड़बड़ी करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को बर्खास्त किया जाएगा। ऐसे कर्मचारियों और अधिकारियों की पहचान कराई जा रही है जिन्होंने गलत रिपोर्ट देकर अनफिट नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता दिलाने करने में मदद की थी। वहीं नर्सिंग काउंसिल के तत्कालीन रजिस्ट्रार और सचिव के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। क्योंकि उन्होंने अपने कार्यों को गंभीरता से नहीं किया। भविष्य में भी यदि इस तरह की कोई लापरवाही संज्ञान में आती है तो संबंधित अधिकारियों कर्मचारियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

ये होगी नई व्यवस्थाएं

भारत शासन के नए नर्सिंग एक्ट के अनुरूप नया प्रादेशिक आयोग का गठन होगा।

नए नियमों के तहत भविष्य में नर्सिंग संस्थाओं की मान्यता राष्ट्रीय आयोग देगा।

इंजीनियरिंग और मेडिकल संस्थाओं की तरह नर्सिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा होगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने ये ट्वीट किया

नर्सिंग के लिए बनेगा प्रादेशिक आयोग, पात्रता परीक्षा भी कराएंगे

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भविष्य में इस तरह की अनियमितताएं न हों, इसके लिए व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किए जा रहे हैं। इससे स्थानीय स्तर पर होने वाली अनियमितताओं पर काफी हद तक रोक लगेगी। इसके अलावा नर्सिंग शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने के लिए शासकीय नर्सिंग संस्थानों में रिक्त पदों पर भर्ती करने की कार्रवाई भी अंतिम चरण में है।

आलेख

जल-संकट चुनाव जीतने का नहीं, समाधान का माध्यम बने

देश के कई भागों में भीषण गर्मी पड़ रही है, जैसे-जैसे गर्मी प्रचंड होती जा रही है, जल संकट की खबरें भी डराने लगी है। राजस्थान, दिल्ली, कर्नाटक आदि प्रांतों में पानी के लिये त्राहि-त्राहि मची है। मध्यप्रदेश के छतरपुर ज़िले महर-खुवा गांव में जल-संकट की तस्वीरें भयावह एवं डराने वाली है। इस गांव में लगभग 100 आदिवासी परिवार रहते हैं, जिनके पास अब इतना भी पानी नहीं बचा है कि ये दिन में दो वक्त का खाना बना सकें और अपनी प्यास बुझा सकें। ऐसे हजारों गांव हैं, जहां पानी के अभाव में जीवन संकट में हैं। भारत अपने इतिहास के सबसे गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। लोकसभा चुनाव अन्तिम चरण की ओर अग्रसर है, आज हमारे उम्मीदवार मुफ्त बिजली और पानी देने का वादा करके चुनाव तो जीत जाते हैं लेकिन भारत में जिस तरह पानी का संकट गंभीर हो रहा है, उससे उनकी कथनी और करनी की असमानता ही बार-बार उजागर होती है। जल-संकट चरम पराकाष्ठा पर है, एक दिन ऐसा भी आ सकता है, जब पैसा देकर भी पानी खरीदना मुश्किल हो जाएगा। जल-संकट चुनाव जीतने एवं राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा तो है, लेकिन समाधान का नहीं। जल संकट ने राजनीतिक रंग तो ले लिया है, विभिन्न राजनीतिक दल एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहे हैं और पिस रहा आम आदमी। पैसे वालों के लिए पानी इतनी बड़ी समस्या नहीं है लेकिन जिन लोगों के पास पैसों की किल्लत है, वे पानी की किल्लत से भी जूझ रहे हैं क्योंकि टैंकर का पानी महंगा पड़ रहा है। वास्तव में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके गंभीर परिणामों के चलते राजस्थान, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में पानी की कमी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। देश का आईटी हब बेंगलुरु गंभीर जल संकट से दो-चार है। जिसका असर न केवल कृषि गतिविधियों पर पड़ रहा है बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़े भारत में बढ़ते जल संकट की गंभीरता को ही दर्शाते हैं। आंकड़े देश भर के जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक गिरावट की तस्वीर उकेरते हैं। देश में प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी में उनकी भंडारण क्षमता के अनुपात में तीस प्रतिशत की गिरावट आई है। जो हाल के वर्षों की तुलना में बड़ी गिरावट है। जो सूखे जैसी स्थिति की ओर इशारा करती है। महर-खुवा गांव की ही तरह अलवर जिले के कई गांव में लोग किसी एक मौसम में नहीं, बल्कि 12 महीनें भीषण जल संकट का सामना कर रहें है। इन गांवो में पानी का स्त्रोत है ही नहीं। इन इलाकों में पानी की इतनी कमी है कि लोग उसे अपने घरों में टैंकर में छिपाकर और ताला लगाकर सुरक्षित रखने लगे हैं। भारत के गांवों में रहने वाले करीब 20 करोड़ परिवारों के घरों में नल नहीं है। इन परिवारों की औरतें पैदल चलकर, घंटों लाइन में लगकर पानी इकट्ठा करती हैं। इसी चुनौती से निपटने के लिए मोदी सरकार ने साल 2019 में हर घर में नल से पानी पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन की घोषणा की। सरकार का दावा है कि अब तक 10 करोड़ घरों में नल लग गए हैं। लेकिन अभी हजारों गांवों में जल-संकट एक बड़ी समस्या बनी हुई है। एक नागरिक के रूप में हम आत्ममंथन करें कि बढ़ते जल-संकट के समाधान की दिशा में हमने क्या कदम उठाये। क्या पानी की फिजूल खर्ची को कम करने का कोई संकल्प लिया? गर्मी के आने पर हम हाय-हाय तो करने लगते हैं, लेकिन कभी हमने विचार किया कि हम इस स्थिति को दूर करने के लिये क्या योगदान देते हैं? क्या हम पौधा-रोपण की ईमानदार कोशिश करते हैं? हम जल के दुरुपयोग को रोकने का प्रयास करते हैं? क्या वर्षा जल सहेजने का प्रयास करते हैं ताकि तापमान कम करने व भूगर्भीय जल के संरक्षण में मदद मिले? सच कहें तो हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के अनुरूप जैसी जीवन शैली विकसित की थी, वह हमें कुदरत के चरम से बचाती थी। राजस्थान

में जल-संकट की संभावनाओं को देखते हुए आम नागरिक खुद के स्तर पर व्यापक प्रयत्न करता है। रेगिस्तान से जुड़े अनेक गांवों एवं शहरों में बने या बनने वाले मकानों में कुआ जरूर होता है, जहां बरसात के पानी को एकत्र किया जाता है, जो संकट के समय काम आता है। इसलिये गाँव के स्तर पर लोगों के द्वारा बरसात के पानी को इकट्ठा करने की शुरुआत करनी चाहिये। उचित रख-रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाने के द्वारा बरसात के पानी को बचाया जा सकता है। हम महसूस करें कि बढ़ती जनसंख्या का संसाधनों में बढ़ता दबाव भी तापमान की वृद्धि एवं जल-संकट का कारण है। बड़ी विकास परियोजनाओं व खनन के लिये जिस तरह जंगलों को उजाड़ा गया, उसका खमियाजा हमें और आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। विलासिता के साधनों, वातानुकूलन के मोह, वाटर-पार्कों एवं होटलों में पानी के अपव्यय को रोकने के लिये जन-चेतना जागृत करने की अपेक्षा है। हमारे पुरखों ने मौसम अनुकूल खानपान, परंपरागत पेय-पदार्थों के सेवन तथा मौसम अनुकूल जीवन शैली के साथ-साथ जल-संरक्षण का ऐसा ज्ञान दिया, जो हमें मौसम के चरम में सुरक्षित रख सकता है। एक व्यक्ति के रूप में हम बहुत कुछ ऐसा कर सकते हैं जिससे जल-संकट से खुद व समाज को सुरक्षित कर सकते हैं। सरकार व समाज मिलकर जल-संकट का मुकाबला कर सकते हैं। भारत में जल-संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये है, वे दुनिया के लिये मार्गदर्शक हैं। देश के सात राज्यों के 8220 ग्राम पंचायतों में भूजल प्रबंधनों के लिए अटल भूजल योजना चल रही है। स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उचित ही रेखांकित किया कि सभी राज्यों को मिलकर काम करना होगा तथा जल संरक्षण एवं उपयोग किये गये पानी को फिर से इस्तेमाल में लाने के उपाय करने होंगे। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन है नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, रक्षा करो, अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। अन्तिम समय यही तुम्हारे जीवन और जीवनी को बचायेंगे।

सम्पादकीय

ममता सरकार संवैधानिक व्यवस्था से ऊपर से नहीं

पश्चिमी बंगाल की ममता सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी बन गई है जिसका देश के संविधान और न्यायपालिका में भरोसा नहीं रह गया है। भ्रष्टाचार से लेकर मनमर्जी का शासन चलाना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का शगल बन गया है। ममता को सिर्फ वोट बैंक की राजनीति नजर आती है, इसके लिए बेशक कानून की कितनी ही धज्जियां क्यों न उड़ानी पड़ी। ममता बनर्जी का एकमात्र लक्ष्य मुसलमानों के वोट बैंक को बरकरार रखना रह गया है। मुद्दा चाहे रोहिंग्या मुसलामानों के अवैध प्रवेश का हो या फिर बांग्लादेशियों का। इसके लिए ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े इन मुद्दों पर भी केंद्र की भाजपा सरकार की खिलाफत की है। कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के हाइकमान ने भी कभी ऐसे आरोप केंद्र की भाजपा सरकार पर नहीं लगाए, जैसे कि ममता बनर्जी लगाती रही हैं। ममता ने भ्रष्टाचार, सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग, राजनीतिक आधार पर बंदरबाट जैसे मुद्दों पर अदालतों से जितनी फटकार खाई है, उतनी देश के किसी राजनीतिक दल की सरकार ने नहीं खाई। इतना सब कुछ होने के बावजूद ममता बनर्जी अपनी आदतों से बाज नहीं आई हैं। नया मामला पश्चिमी बंगाल में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण को अदालत द्वारा रद्द करने का है। इस आदेश को सदाशयता से मान कर अपील करने की दलील देने के बजाए मुख्यमंत्री ममता ने ही फैसला देने वाले हाईकोर्ट के न्यायाधीश पर भाजपा समर्थक होने का आरोप लगा दिया। ऐसा करके ममता ने बगैर किसी भय के सरेआम अदालत की अवमानना कर दी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि वह इस आदेश को स्वीकार नहीं करेंगी, जो तपशिली समुदाय को दिए गए अधिकार छीन लेगा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस प्रशासन के तहत 2011 से बंगाल में जारी अन्य पिछड़ा वर्ग के सभी प्रमाणपत्रों को अवैध बताते हुए रद्द कर दिया। अदालत ने कहा, हालांकि, इससे वर्तमान में शैक्षणिक संस्थानों में नौकरी या सीटें रखने वाले या जाति प्रमाण पत्र के साथ आवेदन दाखिल करने वाले लोगों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। पश्चिम बंगाल में ओबीसी आरक्षण की पूरी कहानी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में गठित सच्चर कमेटी की रिपोर्ट पर आधारित है। उस रिपोर्ट में देश में मुस्लिम समुदाय की स्थिति के बारे में विस्तृत बातें की गई थीं। रिपोर्ट में कहा गया था कि पश्चिम बंगाल सरकार के कर्मचारियों में केवल 3.5 फीसदी ही मुस्लिम थे।

भोपाल-इंदौर में मंदिर-मस्जिद से हटाए लाउड स्पीकर

रतलाम और छिंदवाड़ा समेत पूरे प्रदेश में अभियान; अब खुले में मांस बिक्री पर भी होगा एक्शन

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल, इंदौर, छिंदवाड़ा, रतलाम और शाजापुर समेत पूरे प्रदेश में शनिवार को धार्मिक स्थलों से लाउड स्पीकर हटाने का अभियान चला। पुलिस और प्रशासन ने धार्मिक स्थलों से लाउड स्पीकर उतरवाए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश के बाद यह एक्शन हुआ है। भोपाल में शुक्रवार को कानून व्यवस्था की बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा था, %खुले में मांस की बिक्री रोकने और लाउड स्पीकर-डीजे पर नियंत्रण का अभियान फिर चलाया जाए। भोपाल में धार्मिक स्थलों पर लगे 96 लाउड स्पीकर हटाए गए। पुलिस और प्रशासन ने सभी थाना क्षेत्रों के धार्मिक स्थलों पर धर्म गुरुओं के साथ बैठक की। जिसके बाद सभी की सहमति और सहयोग से लाउड स्पीकर हटाए गए।

इंदौर में 258 धार्मिक स्थलों से 437 लाउड स्पीकर हटाए

इंदौर में भी बड़ी संख्या में धार्मिक स्थलों से लाउड स्पीकर हटाए गए। कलेक्टर आशीष सिंह और पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता नेतृत्व में अभियान चलाकर 258 धार्मिक स्थलों से 437 लाउड स्पीकर हटाए गए हैं।

छिंदवाड़ा में भी चला लाउड स्पीकर हटाने का अभियान

छिंदवाड़ा शहर में रिसाला मस्जिद, इंदिरा नगर की मस्जिद और आसपास के मंदिरों से लाउड स्पीकर उतारे गए हैं। तहसीलदार धर्मेंद्र चौकसे ने बताया कि कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि शासन से निर्देश मिले हैं। निर्धारित क्षमता से अधिक होने पर लाउडस्पीकर हटवाए जा रहे हैं।

रतलाम जिले में 636 धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर निकाले

रतलाम जिले में 636 धार्मिक स्थलों से लाउड स्पीकर निकाले गए। 125 स्थानों पर साउंड कम कराया गया। रतलाम शहर के रहमत नगर मस्जिद हसनैन, मिल्लत नगर मस्जिद राजा ए मुस्तफा, जावरा रोड गाजी खान की मस्जिद, मोहन नगर और सैलाना यार्ड से दो-दो लाउड स्पीकर उतरवाए गए। रतलाम शहर के गुरुद्वारा से भी लाउड स्पीकर निकाला गया। पूरे जिले के धार्मिक स्थलों पर लाउड स्पीकर हटाने की कार्रवाई की जा रही हैं।

कैबिनेट की पहली बैठक में सीएम यादव ने लिया था फैसला

13 दिसंबर 2023 को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद

डॉ. मोहन यादव ने इसी दिन शाम को कैबिनेट की पहली बैठक की थी। उन्होंने नियम-कायदों के दायरे में ही धार्मिक और अन्य स्थलों पर लाउडस्पीकर बजाने के आदेश दिए थे। खुले में मांस-मछली बेचने वालों और इनकी अवैध दुकानों पर भी एक्शन लेने को कहा था। कैबिनेट बैठक के बाद गृह विभाग ने लाउड स्पीकर/डीजे के इस्तेमाल को लेकर आदेश जारी किया था। इसके मुताबिक किसी भी धार्मिक स्थल या अन्य स्थानों पर तय मापदंड के अनुसार ही लाउड स्पीकर/डीजे का इस्तेमाल किया जा सकेगा।

सरकार के आदेश

मीट और मछली की बिक्री वाली दुकानों पर अपारदर्शी कांच/दरवाजा होना चाहिए। साफ-सफाई भी जरूरी है।

धार्मिक स्थलों के मुख्य द्वार के सामने 100 मीटर की दूरी के अंदर मीट-मछली बेचना प्रतिबंधित किया गया है।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441

संजीव कुमार (ब्यूरो प्रभारी भोपाल) 08224965455

email: newscrimefile@yahoo.com

दो मंजिला बेकरी धधकी, 80 लाख का सामान जला

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में बिस्किट, टोस्ट-ब्रेड बनाने वाली बेकरी की दो मंजिला इमारत शनिवार सुबह 5.30 बजे धधक उठी। लपटें इतनी तेज थीं कि आग बुझाने के लिए 25 दमकल और टैंकर को बुलाना पड़ा। सुबह 10 बजे तक आग पर पूरी तरह से काबू पाया जा सका, इसके लिए बिल्डिंग के आगे के हिस्से को भी तोड़ना पड़ा। घटना शहर के कबाड़खाना इलाके की है। संकरी गली और घनी बस्ती होने की वजह से आग आसपास के मकानों में भी फैलने का डर भी बना हुआ था। बेकरी मालिक का दावा है कि 80 लाख रुपए कीमत का सामान जल गया। बिल्डिंग भी जर्जर हो गई। आग बिजली के खंभे से बेकरी तक फैली थी। सुबह लोग जब बेकरी के पास से गुजरे, तब उन्हें बिजली के खंभे और बेकरी के शेड से धुआं उठता दिखा। इसके बाद फायर ब्रिगेड को खबर की गई। न्यू कबाड़खाना, फतेहगढ़, पुल बोगदा और बैरागढ़ से 5 दमकलें मौके पर पहुंचीं। इसके बाद एक - एक कर 20 दमकल को और बुलाया गया। दमकल कर्मी नौशाद खान के मुताबिक, सुबह 8.30 बजे तक लपटों पर काबू पाया, लेकिन रह-रहकर आग सुलग जाती थी।

केबल के जरिए ओवन ने पकड़ी आग ...सबकुछ तबाह

बेकरी मालिक मजहर अली ने बताया कि आग में दोनों बड़े ओवन जल गए। एक 12 लाख रुपए, दूसरा सवा 6 लाख रुपए में खरीदा था। 1500 हजार ट्रे भी जल गईं। 9 लाख रुपए का कच्चा माल (मैदा, चीनी, तेल...) भरा था। कुल 80 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। इंश्योरेंस नहीं है, लोन लेकर कारोबार खोला था। आग ने सबकुछ तबाह कर दिया। मजहर के मुताबिक, बेकरी से सटकर ही बिजली का पोल है। इसी में स्पार्किंग हो रही थी। इसी पोल से बिजली कनेक्शन बेकरी में लिया था। पोल की आग केबल तक आ गई और फिर केबल के जरिए बेकरी के ओवन में लग गई। ओवन में ऑयल रहता है। पीछे लकड़ियां और माल भरा था। इस कारण आग तेजी से फैल गई।

दिन-रात होता है काम ...शुक्रवार रात काम बंद था

इस बेकरी में दिन-रात काम होता है। अच्छी बात यह रही कि शुक्रवार-शनिवार की रात में काम नहीं हो रहा था। इसी दौरान आग लग गई।

दो पक्षों में पत्थरबाजी, 16 लोग घायल

न्यूज क्राइम फाइल

उज्जैन के खाचरौद में शनिवार शाम एक ही समाज के दो पक्षों में विवाद हो गया। दोनों पक्षों की ओर से जमकर पत्थर फेंके गए। घटना में 16 लोग घायल हो गए, जिन्हें खाचरौद सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनके बीच धर्मशाला निर्माण के लिए चंदे को लेकर विवाद है। पत्थरबाजी का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में लोग एक-दूसरे पर पत्थर फेंकते नजर आ रहे हैं। हालांकि थाने में इस मामले की शिकायत नहीं की गई है। खाचरौद टीआई अमित सारस्वत ने बताया कि भील समाज की निर्माणाधीन धर्मशाला के चंदे को लेकर विवाद हुआ है। एक ही समाज में दो पक्ष हैं। शनिवार शाम को एक तरफ 100 लोग, तो दूसरे पक्ष के 45 लोग आमने-सामने हो गए। धर्मशाला में निर्माण कार्य चल रहा है, इसमें कुछ लोगों ने चंदा नहीं दिया है। इसे लेकर उनके बीच विवाद हो गया। इस पर दोनों ओर से पत्थर फेंके गए। दोनों ही पक्षों की ओर से 8-8 लोग घायल हुए हैं। टीआई ने बताया कि इनके बीच एक साल पहले भी विवाद हुआ था, तब राजस्व अधिकारियो ने समझाया था। फिलहाल अभी दोनों ओर से एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। घायलों को खाचरौद के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

फोटो कैप्शन

पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के घर जल्द बहू आने वाली है। मंगलवार को उनके छोटे बेटे कुणाल सिंह चौहान की सगाई हुई है। जिसकी तस्वीरें गुरुवार को सामने आई है। भोपाल के जाने माने डॉक्टर इंद्रमल जैन की पोती रिद्धि जैन से कुणाल का रिश्ता हुआ है। रिद्धि के पिता का नाम संदीप जैन है। कुणाल और रिद्धि साथ में पढ़े हैं।

सोशल मीडिया रिपोर्ट में तलाक की अफवाह; 2020 में की थी शादी

हार्दिक की पत्नी नताशा ने इंस्टाग्राम से पंड्या सरनेम हटाया

न्यूज क्राइम फाइल

टीम इंडिया के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की पत्नी नताशा स्टेनकोविच ने अपने इंस्टाग्राम से पंड्या सरनेम हटा दिया है। इसके बाद सोशल मीडिया पर दोनों के तलाक की अटकलें लगाई जा रही हैं। सोशल मीडिया पर कई रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि दोनों का तलाक हो चुका है और नताशा ने हार्दिक की 70 प्रतिशत प्रॉपर्टी अपने नाम करवा ली है। नताशा इस बार पूरे ढ्ढक्कसे नदारद दिखीं। मुंबई के किसी भी मैच के लिए नताशा स्टेडियम में चीयर करने नहीं पहुंचीं। इसके बाद ये कयास लगाया जा रहा है कि दोनों के रिश्तों में दूरियां आ चुकी हैं। हालांकि दोनों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। नताशा ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी लगाई है, जिसमें वो एक्सरसाइज करती नजर आ रही हैं। उन्होंने एक फोटो भी लगाई है, जिसमें नताशा को सेल्फी के लिए पोज देते हुए देखा जा सकता है। इस फोटो में उन्होंने सफेद टी-शर्ट और काले और सफेद कलर का श्रग और ब्लैक क्रॉसबॉडी बैग पहने हुई थीं।

31 मई, 2020 को शादी के बंधन में बंधे थे नताशा और हार्दिक

एक्ट्रेस नताशा और हार्दिक 31 मई, 2020

को शादी के बंधन में बंधे थे। उसी साल 30 जुलाई को उनके बेटे अगस्त्य का जन्म हुआ। बच्चे के जन्म की सूचना खुद हार्दिक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए दी थी। दोनों ने पिछले साथ फरवरी में वैलेंटाइन डे के मौके पर पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ शादी की थी। राजस्थान के उदयपुर में ग्रैंड वेडिंग सेरेमनी रखी गई थी।

मुंबई के क्लब में हुई थी हार्दिक और नताशा की मुलाकात

हार्दिक और नताशा की मुलाकात मुंबई के क्लब में हुई थी। वहीं से दोनों के बीच दोस्ती हुई और आगे जाकर दोस्ती प्यार में तब्दील हो गई। जब हार्दिक करियर के बुरे फेज में चल रहे थे तब नताशा ने उनका काफी सपोर्ट किया था। जनवरी 2020 में दुबई में दोनों ने एक दूसरे को रिंग पहनाई और ऑफिशियली एंगेज हो गए।

डीजे वाले बाबू से फेमस हुईं थीं नताशा

नताशा स्टेनकोविच का जन्म 4 मार्च 1992 को सर्बिया में हुआ था। उनकी बॉलीवुड में पहली फिल्म सत्याग्रह थी। इसके अलावा वो बिग बॉस 8 और नच बलिए 9 में बतौर कंटेस्टेंट नजर आईं। बादशाह के गाने डीजे वाले बाबू से उन्हें काफी ज्यादा पॉपुलैरिटी मिली थी।

हार्दिक के पास बड़ौदा में 6000 स्क्वायर फीट का पेंटहाउस

हार्दिक पंड्या के पास दो घर हैं। बड़ौदा में उनका खुद का एक आलीशान पेंटहाउस है। बड़ौदा पेंटहाउस 6,000 स्क्वायर फीट में फैला हुआ है। इसमें जिम और निजी थिएटर जैसी कई आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। यहां पंड्या अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनके पास कलेक्शन में 4 करोड़ की लेंबोर्गिनी से लेकर 6.15 करोड़ रुपए की रॉल्स रॉयस तक है। ऑडी, रेंज रोवर, मर्सडीज जैसी लग्जरी गाड़ियां भी उनके पास हैं।

हार्दिक ने 2016 में टीम इंडिया के लिए डेब्यू किया

हार्दिक पंड्या की बात की जाए तो उन्होंने 2016 में टीम इंडिया के लिए डेब्यू किया था। हार्दिक टीम के स्टार ऑलराउंडर हैं और अपने खेल से टीम को कई मैच भी जिता चुके हैं। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में वो टीम इंडिया के उपकप्तान हैं।

मिड-कैप फंड ने 1 साल में दिया 82 प्रतिशत का रिटर्न

न्यूज क्राइम फाइल

इन दिनों म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं तो मिड कैप फंड अच्छा ऑप्शन हो सकता है। इस फंड कैटेगिरी ने बीते 1 साल में 82त्न से ज्यादा का रिटर्न दिया है। अगर आप रिस्क ले सकते हैं तो मिड कैप फंड में निवेश करना आपको अच्छा फायदा दिला सकता है।

सबसे पहले जानें मिड कैप म्यूचुअल फंड्स क्या हैं

मिड कैप म्यूचुअल फंड उस फंड को कहते हैं जिसमें मुख्य रूप से मिड कैप कंपनियों के शेयरों में निवेश किया जाता है। मिड-कैप कंपनियां वे हैं जिनका मार्केट कैप 5,000 करोड़ रुपए से अधिक, लेकिन 20,000 करोड़ रुपए से कम है। मार्केट कैप के लिहाज से 101वीं से 200वीं रैंकिंग वाली कंपनियों को भी मिड-कैप कंपनियां कहा जाता है।

रिस्क लेने की क्षमता हो तभी करें निवेश

मिड-कैप फंड में लार्ज-कैप फंड्स की तुलना में ज्यादा जोखिम रखता है। इसीलिए, वो लोग जो अपने निवेश में ज्यादा जोखिम उठा सकते हैं, उन्हें ही इस फंड में निवेश करना चाहिए। इसके अलावा इसमें लंबे समय के लिए निवेश सही रहता है। ऐसे में अगर आप लंबी अवधि यानी 5 साल से ज्यादा समय के लिए निवेश करना चाहते हैं तो इसमें निवेश कर सकते हैं।

पोर्टफोलियो का 20 से 30 प्रतिशत कर सकते हैं निवेश

एक्सपर्ट्स के अनुसार इसमें पोर्टफोलियो का 20 से 30

प्रतिशत निवेश करना सही रहेगा। यानी अगर आपके पास निवेश करने के लिए कुल 100 रुपए हैं तो आप 20 से 30 रुपए तक इसमें निवेश कर सकते हैं। इसमें लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करना फायदेमंद रहेगा।

जरिए निवेश करना रहेगा सही

म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने के बजाय सिस्टमेंटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी जरिए निवेश करना चाहिए। स्ढ्ढक्कके जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है, क्योंकि इससे इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता।

लेडी टीचर के नाम से करते थे फोन, हाथों पर जलने के निशान से पकड़ाया आरोपी

एप से आवाज बदलकर बुलाया, 7 आदिवासी छात्राओं से रेप

न्यूज क्राइम फाइल

सीधी जिले के मझौली थाना क्षेत्र में आवाज बदलने वाले मैजिक वॉइस एप के जरिए तीन आरोपियों ने 7 से अधिक कॉलेज छात्राओं को झांसा देकर उनके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी एप से कॉलेज टीचर बनकर महिला की आवाज में बात करते और स्कॉलरशिप के लिए दस्तावेज मंगवाने के नाम पर सुनसान जगह बुलाते थे। शक न हो, इसके लिए उन्हें पहले ही बता देते कि उन्हें तय स्थान पर लेने के लिए एक लड़का बाइक से आएगा जो उन्हें टीचर के पास पहुंचा देगा। मामले की सभी पीड़िताएं एसटी वर्ग की हैं। आरोपी उन कॉलेज छात्राओं को निशाना बनाते थे, जहां स्कॉलरशिप मिलती है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ऐसा निंदनीय कार्य करने वाले समाज के दुश्मन हैं। आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस मामले की जांच के लिए 9 सदस्यीय एसआईटी टीम का भी गठन किया गया है। वहीं कांग्रेस ने इस मामले में सरकार को घेरा है।

एक पीड़ित की शिकायत पर जांच हुई तो हुआ खुलासा

एक पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की तो जांच में खुलासा हुआ। लोकेशन ट्रेस कर पुलिस ने मुख्य आरोपी को पकड़ा। पूछताछ में दो और लोगों के शामिल होने की जानकारी मिली। पुलिस अफसरों के मुताबिक अभी तक आरोपियों ने 7 छात्राओं से दुष्कर्म की बात

कबूली है। 4 छात्राओं ने एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक पीड़िताओं की संख्या और भी अधिक हो सकती है। आरोपियों से पूछताछ जारी है।

यू-ट्यूब पर देखकर आवाज बदलने वाले एप की ली जानकारी

पुलिस ने मुख्य आरोपी ब्रजेश प्रजापति (30) और उसके साथी राहुल प्रजापति और संदीप प्रजापति को पकड़ा है। ब्रजेश प्रजापति ने दो शादियां की हैं। पहली पत्नी को उसने छोड़ दिया। दूसरी पत्नी से एक बच्ची है। आरोपी पेशे से मजदूर है, पर उसने यूट्यूब पर इस तरह के आवाज बदलने वाले एप की जानकारी ली और इसे अपने मोबाइल पर इंस्टॉल किया। इसके बाद से छात्राओं को निशाना बनाना शुरू किया।

हाथों में जलने के निशान से पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

दुष्कर्म की शिकात करने वाली चार छात्राओं में से एक ने पुलिस को बताया कि दुष्कर्म करने वाले अपने चेहरे को कपड़े से ढके रहते थे। लेकिन जो पहली बार दुष्कर्म करता उसके दोनों हाथों में जलने के निशान है। पीड़ित ने पुलिस को जो बताया उसके अनुसार, फिर लोकेशन और अन्य साक्ष्यों की मदद से पुलिस ने मुख्य आरोपी और उसके साथियों को गिरफ्तार किया।

रंजना मैडम के नाम से कॉल.. कॉलेज के वॉट्सएप ग्रुप से मिले नंबर

आरोपी ब्रजेश और उसके दोस्तों ने सीधी जिले के एक सरकारी कॉलेज के वॉट्सएप ग्रुप से छात्राओं के फोन नंबर निकाले थे। इन पर रंजना मैडम बनकर कई बार कॉल कर उन्हें विश्वास में लेते थे। आरोपियों ने बताया कि ये सब तीन महीने से कर रहे थे। हालांकि, पुलिस को इस पर विश्वास नहीं है। आईजी रीवा रेंज महेंद्र सिंह सिकरवार ने बताया कि अभी तक आरोपियों ने सात छात्राओं से रेप की बात कबूली है, लेकिन ये संख्या बढ़ भी सकती है। इसकी जांच की जा रही है। इस बारे में पुलिस मुख्यालय को अवगत कराया गया है।

रीवा आईजी ने जांच के लिए बनाई 9 सदस्यीय

रीवा आईजी ने कुसमी की एसडीओपी रोशनी सिंह ठाकुर के नेतृत्व में 9 सदस्यीय स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का गठन किया है। टीम में रोशनी सिंह के अलावा मझौली थाना प्रभारी एसआई दीपक सिंह, एसआई प्रीति वर्मा, एसआई केदार परौहा, एसआई दिव्य प्रकाश त्रिपाठी, प्रधान आरक्षक महेंद्र पाटले, आरक्षक विवेक द्विवेदी, आरक्षक प्रतीक्षा तिवारी, आरक्षक प्रदीप मिश्रा समेत 9 सदस्य शामिल हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आरोपियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। कांग्रेस ने इस मामले को सरकार को घेरा है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इस मामले में उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा।

दो सांड लड़ते हुए बुजुर्ग महिला पर गिरे, मौत

रतलाम में घर के बाहर बाटी सेंक रही थी, 4 फीट गहरे नाले में गिरी

न्यूज क्राइम फाइल

रतलाम में दो सांडों की लड़ाई में बुजुर्ग महिला की जान चली गई। वह घर के बाहर बाटी सेंक रही थी। तभी दो सांड लड़ते हुए महिला पर गिर गए। इसके बाद वे सभी पास ही में 4 फीट गहरे नाले में गिर गए। घटना शुक्रवार शाम टाटा नगर की है। शनिवार की सुबह परिजन उसे अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों से उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक महिला का नाम शांताबाई (60) है। डीडी नगर पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

पति ने बताया- संभलने तक का मौका नहीं मिला

महिला के पति मदनलाल ने बताया कि, 'शाम को शांताबाई घर के बाहर बाटी सेंक रही थी। घर के अन्य सदस्य अंदर थे। इसी दौरान

शांताबाई, मृतक

दो सांड लड़ते हुए आए और उसके ऊपर गिर गए। घटना इतनी तेजी से हुई कि उसे संभलने तक का मौका तक नहीं मिला। लड़ते हुए पत्नी भी सांडों के साथ पास ही स्थित नाले में जा गिरी। शोर सुनकर सभी लोग बाहर आए। आसपास रहवासियों की मदद से उसे नाले में निकाला।

रात होने के कारण सुबह ले गए अस्पताल

उन्होंने बताया कि रात होने के कारण अस्पताल लेकर नहीं गए। शनिवार सुबह पैरों में सूजन आ गई। उसे प्राइवेट डॉक्टर के पास ले गए। डॉक्टर ने एक्सरे कर फ्रैक्चर बताया। साथ ही, 25 हजार रुपए खर्च बताया। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण लौट गए। घर आकर दोपहर में बड़ौदा ले जाने की तैयारी की। सुबह 11.30 बजे अचानक पत्नी की तबीयत बिगड़ गई। दोपहर 12 बजे ऑटो से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। ड्यूटी डॉक्टर ने जांच कर मृत कर घोषित कर दिया।'

तीन महीने से खुदा है 4 फीट गहरा नाला

मदनलाल ने बताया कि क्षेत्र में तीन महीने से करीब 4 फीट का नाला खुदा पड़ा है, जिसे बनाया नहीं गया है। इस कारण आवागमन में परेशानी भी होती है। महिला के घर के बाहर नाला खुला पड़ा है। रहवासियों ने बताया कि सड़क निर्माण के दौरान नाला बनाई गई थी। सड़क तो बन गई, लेकिन नाले को पूरी तरह से कवर नहीं किया गया। कई बार क्षेत्र में आवारा मवेशियों को लेकर भी जिम्मेदारों को अवगत कराया, लेकिन ध्यान नहीं दिया। घटना के बाद शनिवार शाम दैनिक भास्कर टीम घटनास्थल पहुंची, तब भी क्षेत्र में आवारा मवेशी घूमते हुए दिखाई दिए। क्षेत्रवासियों में आवारा मवेशियों को लेकर गुस्सा था। बुजुर्ग महिला की पड़ोसी रमिला लोधी ने बताया कि दादी नाली के पास बैठी थी। तभी दो सांड वहां आकर लड़ने लगे। इस दौरान दादी नाले में गिर गई। शोर सुनकर उनके पति और अन्य लोग वहां पहुंचे। इसके बाद सांडों को भगाया।

बिल्डिंग में नीचे चल रही दुकान और ऊपर संचालक के घर खंगाले दस्तावेज

ज्वेलरी कारोबारी के ठिकानों पर एंटी इवेजन ब्यूरो का छापा

न्यूज क्राइम फाइल

सराफा बाजार में शनिवार को स्टेट टैक्स डिपार्टमेंट की टीम की आमद से हड़कंप मच गया है। एंटी इवेजन ब्यूरो की टीम ने एक और सराफा कारोबारी के घर-दुकान में एक साथ दबिश दी। स्टेट टैक्स डिपार्टमेंट की एंटी इवेजन ब्यूरो की टीम ने शनिवार को शहर के हनुमान चौक स्थित मनहर ऑर्नामेंट में दबिश दी। यह दुकान अनिल सोनी और तामेश्वर सोनी की है। पुलिस कर्मियों के साथ आई ब्यूरो की टीम एक ही बिल्डिंग में नीचे चल रही दुकान और उसके ऊपर स्थित संचालक के निवास पर जा पहुंची। टीम ने लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया और जांच पड़ताल शुरू कर दी। फर्म में जेवरों की खरीद-बिक्री के दस्तावेजो और स्टॉक के अलावा अन्य लेनदेन के संबंध में अभिलेख खंगाले जाने लगे। बताया जा रहा है कि मनहर अर्नामेंट्स में सोने-चांदी के जेवरों का बड़ा कारोबार होता है। शहर के सराफा बाजार में इस फर्म को होलसेल का भी कारोबारी माना जाता है। जांच में अब तक क्या सामने आया, इसका पता तो फिलहाल नहीं चल सका है। लेकिन सूत्रों की माने तो एईबी को यहां जेवरों के कारोबार में टैक्स की बड़ी चोरी की खबर मिली थी। शनिवार को एईबी की टीम के यहां पहुंचने के बाद सराफा कारोबारियों में हड़कंप मच गया। कई कारोबारी तो अपनी दुकानों के शटर गिरा कर गायब हो गए। गौरतलब है कि अभी पिछले महीने ही एईबी ने शहर के दो ज्वेलरी कारोबारियों के छापामारी कर टैक्स की बड़ी चोरी पकड़ी थी। दोनों ही फर्मों ने बड़ी रकम सरेंडर की थी।

हनी ट्रैप मामले में आरोपी श्वेता का गिरफ्तारी वारंट जारी

न्यूज क्राइम फाइल

हनी ट्रैप मामले में आरोपी श्वेता स्वप्निल जैन का कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। पुलिस को 27 जुलाई से पहले श्वेता को गिरफ्तार करने के लिए कहा है। शनिवार को विशेष न्यायालय में मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान श्वेता न तो उपस्थित हुई और न ही उनकी तरफ से कोई आवेदन प्रस्तुत किया गया। दरअसल, पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मामले के सभी आरोपियों को उपस्थित होने के आदेश दिए थे। चार आरोपी शनिवार को सुनवाई में उपस्थित रहे, जबकि आरोपी आरती दयाल, ओमप्रकाश और अभिषेक की तरफ से हाजिरी माफी का आवेदन प्रस्तुत किया गया। कोर्ट ने आवेदन स्वीकार कर लिया। लोक अभियोजक अभिजीत सिंह राठौर ने बताया कि शनिवार को आरोप पर बहस होना थी, लेकिन आरोपियों के वकील ने इसके लिए समय ले लिया। वे मौखिक बहस के बजाय लिखित में बहस देना चाहते हैं। कोर्ट ने उन्हें इसकी अनुमति दे दी। अगली सुनवाई 27 जुलाई 2024 को होगी।

64 साल के दुष्कर्मी को 20 साल की जेल

8 साल की बच्ची को कुरकुरे का लालच देकर ले गया था, 4 लाख मुआवजे का आदेश

न्यूज क्राइम फाइल

सागर में 8 साल की बच्ची से रेप के मामले में 64 साल के बुजुर्ग को 20 साल की जा सुनाई गई है। कोर्ट ने बालिका को 4 लाख रुपए क्षतिपूर्ति देने के लिए भी कहा है। फैसला फैसला शनिवार को तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश व विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट 2012) नीलम शुक्ला की कोर्ट ने सुनाया। शासन की ओर से मामले में पैरवी प्रभारी उप संचालक (अभियोजन) धर्मेन्द्र सिंह तारन के मार्गदर्शन में विशेष लोक अभियोजक रिपा जैन ने की। अभियोजन के मीडिया प्रभारी ने बताया कि 8 साल की पीड़ित के परिजन ने 3 अप्रैल 2023 को थाना नरयावली में शिकायत की थी। शिकायत में बताया कि आरोपी रमेश यादव (64) ने जानवरों को पानी पिलाने के लिए चलने पर बच्ची को कुरकुरे देने का लालच दिया। इसके बाद वह बहला-फुसलाकर कमरे में ले गया और गलत काम किया। घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी थी। आरोपी ने करीब 8-10 बार बहला-फुसलाकर बच्ची के साथ गलत काम किया।

बच्ची ने भाई को बताई आपबीती

आरोपी की हरकतों से परेशान होकर बच्ची ने बड़े भाई को आपबीती बताई। उसके भाई ने मां को घटना के संबंध में बताया। इसके बाद पीड़ित ने परिवार वालों के साथ थाने पहुंचकर शिकायत की। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की जांच के बाद कोर्ट में चालान पेश किया। न्यायालय ने प्रकरण में सुनवाई शुरू की। सुनवाई के दौरान अभियोजन ने मामले से जुड़े साक्ष्य व दस्तावेज कोर्ट में पेश किए। पीड़िता व अन्य लोगों की गवाही कराई गई। कोर्ट ने मामले में सुनवाई करते हुए साक्ष्यों के आधार पर आरोपी रमेश यादव को दोषी पाया।

बोले-कोई प्लान नहीं था, वो अचानक आए; मैंने फॉर्म नहीं उठवाया, सेल्फी जरूर ली

अक्षय बम की नाम वापसी पर विजयवर्गीय का बयान

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर में कांग्रेस प्रत्याशी रहे अक्षय कांति बम की नाम वापसी और फिर बीजेपी में एंट्री को लेकर कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि सब कुछ अचानक हुआ, कुछ भी प्लान नहीं था। विजयवर्गीय एक टीवी चैनल से चर्चा कर रहे थे। जिसका वीडियो उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। वे बम के बीजेपी में आने और इस घटनाक्रम के प्री-प्लांड होने के विपक्ष के आरोपों पर जवाब दे रहे थे। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा- 'कुछ भी प्लान नहीं था। अचानक सब कुछ हुआ। मैं फॉर्म वापस करवाने गया भी नहीं था। मैं रास्ते में मिला था, क्योंकि कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया था। इसलिए मैं रास्ते में पहुंचा। हम लोगों ने बात की। विजयवर्गीय ने कहा- सेल्फी खींची ये बात सही है और हमने ट्वीट कर दिया। पर वो ट्वीट इतना बड़ी चर्चा में आ जाएगा इसकी कल्पना मुझे भी नहीं थी। ठीक है, राजनीति में कुछ करते हैं तो कुछ न कुछ तो होता है। उसमें हुआ है। मैं ऐसा कह सकता हूं कि हमें सफलता मिली है।'

29 अप्रैल को वापस लिया था नामांकन

बता दें इंदौर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय बम ने नामांकन वापसी के अंतिम दिन 29 अप्रैल को नाटकीय घटनाक्रम के तहत कलेक्टर ऑफिस पहुंच कर अपना फॉर्म वापस ले लिया था। उनके साथ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के खास और दो नंबर विधानसभा से विधायक रमेश मेंदोला और उनकी टीम थी। फॉर्म उठाने के कुछ देर बाद ही मंत्री विजयवर्गीय ने बम के साथ सेल्फी सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी तो जमकर वायरल हुई।

ताई ने कहा था, इस घटनाक्रम की कोई जरूरत नहीं थी

बम के बीजेपी में इस तरह आने पर बीजेपी नेत्री और पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन (ताई) ने भी हैरानी जताई थी। ताई ने कहा था कि इस घटनाक्रम की कोई आवश्यकता नहीं थी, क्योंकि दीवार पर लिखा हुआ है कि इंदौर में भाजपा को कोई भी नहीं हरा सकता। ताई ने आगे कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार (बम) को ऐन चुनाव से पहले ऐसा नहीं करना चाहिए था। उसने एक तरह से अपनी पार्टी (कांग्रेस) से भी धोखा किया, लेकिन मैं ऐसे शब्दों का इस्तेमाल क्यों करू? ताई ने कहा कि इंदौर लोकसभा सीट के इतिहास में पहली बार चुनावी पाला बदलने के बाद शहर के कुछ पढ़े-लिखे लोगों ने उन्हें फोन करके नाराजगी जताई। फोन करने वालों ने मुझसे कहा कि अब वे श्वङ्करूपर हहङ्ख का विकल्प चुनेंगे, क्योंकि भाजपा ने जो किया, वह उन्हें अच्छा नहीं लगा। बम की नाम वापसी होते ही भाजपा ने ऑपरेशन सूरत-2 पर काम शुरू कर दिया था। प्लान था कि गुजरात की सूरत लोकसभा सीट की तरह बचे हुए उम्मीदवारों के नामांकन वापस कराकर इंदौर में निर्विरोध जीत हासिल की जाए। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में दोपहर 3 बजे तक माथापच्ची चलती रही लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। 23 में से 9 ही उम्मीदवारों ने नाम वापस ले लिया था।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने बम को बताया था खोटा सिक्का

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी ने इंदौर में अक्षय कांति बम का नाम लिए बिना कांग्रेस पर हमला बोला था, उन्होंने कहा था कि आपका सिक्का खोटा निकला तो लोग नोटा पर क्यों वोट डालें? कांग्रेस धरातल की ओर जा रही है। जीतू पटवारी कांग्रेस को समापन की ओर बढ़ा रहे हैं।

पं.प्रदीप मिश्रा की चुनाव आयोग से शिकायत

कांग्रेस बोली-मंच से कर रहे पार्टी विशेष और नेता का प्रचार; चुनाव तक कथाओं पर लगाएं रोक

न्यूज क्राइम फाइल

कांग्रेस ने चुनाव आयोग से कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की शिकायत की है। पार्टी का आरोप है कि पं. मिश्रा अपनी कथाओं के मंच से पार्टी विशेष का प्रचार कर रहे हैं। वे एक नेता का नाम लेकर लोकसभा चुनाव में उनके दल को वोट देने की अपील कर रहे हैं। सीहोर जिला कांग्रेस के पूर्व महासचिव पंकज शर्मा ने बुधवार को भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त के नाम एक पत्र कलेक्टर कार्यालय में सौंपा। उन्होंने पं. मिश्रा पर धर्म का राजनीतिकरण करने का आरोप भी लगाया। शर्मा ने महाराष्ट्र के परतवाड़ा में 6 मई को हुई कथा का वीडियो भी सौंपा है। उनका कहना है कि इस कथा के दौरान पंडित मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा का नाम लेकर उनके लिए वोट मांगे। यह चुनाव आयोग के निर्देशों का उल्लंघन और संविधान विरोधी है। इसी कथा के आखिरी दिन 12 मई को महाराष्ट्र के अमरावती से निर्दलीय सांसद और भाजपा की लोकसभा प्रत्याशी नवनीत राणा ने भी धर्म के नाम पर वोट मांगे थे।

जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया

शर्मा ने कहा, पंडित मिश्रा खुलेआम कानून का उल्लंघन करते हुए आचार संहिता की धज्जियां उड़ा रहे हैं। वे पहले भी देश के संविधान को बदलने, लोकतंत्र को खत्म करने और हिंदू राष्ट्र बनाने जैसे बयान देते रहे हैं। उनका देश के लोकतंत्र और संविधान में कोई विश्वास नहीं है। वे जानबूझकर कथाओं में भाजपा नेताओं को बुलाकर जनता को गुमराह करने का काम करते हैं।

आचार संहिता उल्लंघन का केस करने की मांग

पंकज शर्मा ने बताया कि परतवाड़ा की कथा में मिश्रा ने भाजपा प्रत्याशी नवनीत राणा को बुलाकर धर्म का राजनीतिकरण किया। पं. मिश्रा और राणा पर आचार संहिता उल्लंघन का केस दर्ज किया जाए। साथ ही लोकसभा चुनाव समाप्त होने तक उनकी कथाओं पर रोक लगाई जाए। भारत निर्वाचन आयोग को धर्म का राजनीतिकरण करने पर कथावाचक को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का निर्देश देना चाहिए। राणा का नामांकन पत्र खारिज भी करना चाहिए।

सफाई- सनातन के लिए मतदान करने को कहा

कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की तरफ से विठलेश सेवा समिति ने आरोपों का जवाब दिया। समिति के समीर शुक्ला ने कहा, पंडित जी ने किसी पार्टी विशेष को वोट देने के लिए नहीं कहा था। उन्होंने कहा था कि सनातन के लिए मतदान कीजिए।

शिवराज सरकार का एक और फैसला पलटेंगे मोहन

सीपीए को फिर से अस्तित्व में लाने की तैयारी, सीएम के निर्णय पर मुख्य सचिव ने बुलाई बैठक

न्यूज क्राइम फाइल

मोहन यादव सरकार पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सरकार के एक और फैसले को पलटने जा रही रही है। दरअसल, शिवराज सरकार के कार्यकाल में दो साल पहले राजधानी परियोजना प्रशासन (सीपीए) को 3 मार्च 2022 को बंद करने का फैसला किया गया था और उसके कामों को लोक निर्माण विभाग, नगर निगम और वन विभाग के सुपुर्द कर दिया गया था। अब मोहन सरकार सीपीए को फिर अस्तित्व में लाकर नए सिरे से इसका पुनर्गठन करने की तैयारी में है। इसी को लेकर मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों के अफसरों की बैठक भी बुलाई है। इस मामले में नगरीय विकास और आवास विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई का कहना है कि मुख्य सचिव वीरा राणा ने सीपीए को लेकर आज बैठक बुलाई है। इसमें सीपीए की समीक्षा का विषय रखा गया है। सीपीए के विघटन और पुनर्जीवन को लेकर इसके विषय में कोई बात नहीं कही गई है। गौरतलब है कि इसके पहले सीएम डॉ यादव पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के अवैध कालोनियों को वैध करने के फैसले को पलट चुके है। यादव ने कहा है कि कोई भी अवैध कालोनी वैध नहीं की जाएगी। नई अवैध कालोनी बनने नहीं दी जाएगी।

मंत्री कृष्णा गौर ने लिखी है सीएम को चिट्ठी

प्रदेश की पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री कृष्णा गौर ने पिछले दिनों मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिखकर सीपीए को पुनर्जीवित करने की मांग की है। गौर ने कहा है कि सीपीए के पुनर्जीवित होने से राजधानी के बाग बगीचों और फारेस्ट एरिया का अच्छे से विकास हो सकेगा। बताया जाता है कि सीएम यादव ने इसके बाद इस सीएम मानिट में डाला है और इस पर निर्णय करने के लिए कहा है। इसके बाद ही सीएस वीरा राणा ने मीटिंग बुलाई है। यह बैठक पहले बुधवार को बुलाई गई थी पर बाद में टल गई और अब 28 मई को बैठक प्रस्तावित है।

अभी यह है सीपीए की स्थिति

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस के कार्यकाल में बंद किए गए सीपीए का फिलहाल लोक निर्माण विभाग के एक डिवीजन के रूप में उपयोग हो रहा है। सीपीए द्वारा बनाई जाने वाली सड़कों और भवनों को लोक निर्माण विभाग तथा नगर निगम भोपाल के बीच बांट दिया गया है और सीपीए द्वारा विकसित फारेस्ट एरिया को वन विभाग के सुपुर्द कर दिया गया है। शहर के और मोहल्लों के बाग बगीचे नगर निगम को हैंडओवर हैं। शहर को व्यवस्थित तरीके से डेवलप करने के लिए साल 1960 में आवास एवं पर्यावरण विभाग के अंतर्गत का गठन किया गया था। इसका काम भोपाल शहर की सड़कों को बनाना और उनका मेंटेनेंस

करना था। इसके अलावा, उसके जिम्मे पर उद्यान, बिल्डिंग निर्माण, पुल-पुलियाएं बनाने आदि के काम भी आ गए। इस विभाग की नए शहर को खूबसूरती देने में बड़ी भूमिका रही है। नए मंत्रालय एनेक्सी बनाने से लेकर रोड जैसे कई बड़े काम उसने ही किए हैं। भारत भवन, शौर्य स्मारक, ट्राइबल म्यूजियम, मानव संग्रहालय, टीटी नगर स्टेडियम, सतपुड़ा, विध्यांचल आदि इमारतें भी ने बनाई है। वहीं 92.5 किमी सड़कें हैं। भोपाल में करीब 130 एकड़ में फैले एकांत, प्रियदर्शनी, चिनार, मयूर व तरुण पुष्कर समेत 7 बड़े पार्कों की देखरेख का काम वन विभाग को और मंत्रालय, सतपुड़ा, विंध्याचल व विधानसभा भवनों के रखरखाव का काम भी राजधानी परियोजना के पास था।

दीवार गिरी, 6 साल की बच्ची की मौत: दादी के साथ शादी में जा रही थी; धूप से बचने छांव में बैठे थे

न्यूज क्राइम फाइल

बुरहानपुर में कच्चे मकान की दीवार अचानक ढह गई। मलबे में बुजुर्ग महिला और उसकी तीन पोतियां दब गईं। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे लोगों ने चारों को अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान 6 साल की बच्ची की मौत हो गई। हादसा दौलतपुरा इलाके में बुधवार दोपहर 3 बजे हुआ। पुलिस पूछताछ के आधार पर जांच कर रही है।

शादी में शामिल होने जा रही थीं दादी-पोती

पुलिस ने बताया कि दौलतपुरा की रहने वाली आरिफा बानो (62) विवाह समारोह में शामिल होने पैदल ही नया मोहल्ला जा रही थी। उनकी पोतियां- एंजेला (15), हसलीन (10) और आफरीन (6) भी साथ थीं। रास्ते में धूप से बचने के लिए चारों एक कच्चे मकान की छांव में बैठ गईं।

इसी दौरान मकान की दीवार भरभराकर गिर गई। चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। चारों लोगों को मलबे से निकाला और ऑटो में बैठाकर जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां आफरीन पिता करामतुल्लाह ने दम तोड़ दिया। बाकी तीनों लोगों को इलाज जारी है।

मकान पुराना, कच्चा और जर्जर था

प्रत्यक्षदर्शी मुश्ताक हुसैन ने बताया कि बच्चियों का पिता करामतुल्लाह मजदूरी करता है। परिवार की आर्थिक स्थिति खराब है। महिला पोतियों के साथ छांव में बैठी थी, तभी दीवार गिर गई। वहीं, शेख फरीद ने कहा कि कच्चा मकान कासिम का है। पुराना और जर्जर था। जिला अस्पताल के डॉ. संदीप खटीक ने कहा, 4 मरीज आए थे। 6 साल की बालिका की मौत हो गई। महिला और दो बच्चियां भर्ती हैं।

बक्सर में प्रधानमंत्री...

इंडी गठबंधन के गुब्बारे की सारी हवा निकल चुकी है : मोदी

संदीप कुमार यादव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बक्सर में मिथिलेश तिवारी के समर्थन में सभा कर रहे हैं। पीएन वे कहा कि आज की वोटिंग के बाद इंडी गठबंधन के गुब्बारे की सारी हवा निकल चुकी है। इससे पहले काराकाट में राष्ट्रीय लोकदल के प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा के समर्थन में सभा किया। इस दौरान उन्होंने लालू और तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला बोला। पीएम ने कहा कि बिहार के लोगों से नौकरी के बदले जमीन लेने वाले लोगों का जेल का काउंटडाउन शुरू हो गया है। हेलिकॉप्टर का चक्कर खत्म होते ही इनके लिए जेल का रास्ता खुल जाएगा। उन्होंने जंगलराज का भी जिक्र करते हुए कहा कि इसके बारे में फर्स्ट टाइम वोटर्स को पता होना चाहिए। पहले बिहार में लोग रात में बाहर नहीं निकलते थे। अपहरण, डकैती, हत्या ये बिहार का दुर्भाग्य बन गया था। पीएम ने कहा कि नीतीश जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार बिहार को जंगलराज से बाहर लाई। वो डकैत और लूटेरे अभी छिपे हुए हैं। मौके की तलाश में हैं। गलती से भी इंडी वाले मजबूत होते दिखे तो फिर उनका दाना-पानी मिलेगा। ये फिर से आपका भविष्य तबाह कर देंगे। पीएम मोदी ने कहा कि 4 जून की शाम होते-होते आरजेडी वाले कहेंगे कांग्रेस ने लुटिया डुबो दी। कांग्रेस के शाही परिवार वाले ठिकरा खड़गे जी के सिर पर फोड़कर विदेश चले जाएंगे। इससे पहले उन्होंने पटना के बिक्रम में बीजेपी प्रत्याशी रामकृपाल यादव के लिए चुनावी जनसभा की। यहां पीएम मोदी ने कहा कि ऐसा लग रहा कि आप लोग मनेर के लड्डू खाकर आए हैं। 4 जून के लिए मनेर के लड्डू तैयार रखिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बक्सर में मिथिलेश तिवारी के समर्थन में सभा कर रहे हैं। पीएन वे कहा कि आज की वोटिंग के बाद इंडी गठबंधन के गुब्बारे की सारी हवा निकल चुकी है। इससे पहले काराकाट में राष्ट्रीय लोकदल के प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा के समर्थन में सभा किया। इस दौरान उन्होंने लालू और तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला बोला। पीएम ने कहा कि बिहार के लोगों से नौकरी के बदले जमीन लेने वाले लोगों का जेल का काउंटडाउन शुरू हो गया है। हेलिकॉप्टर का चक्कर खत्म होते ही इनके लिए जेल का रास्ता खुल जाएगा। उन्होंने जंगलराज का भी जिक्र करते हुए कहा कि इसके बारे में फर्स्ट टाइम वोटर्स को पता होना चाहिए। पहले बिहार में लोग रात में बाहर नहीं निकलते थे।

अपहरण, डकैती, हत्या ये बिहार का दुर्भाग्य बन गया था। पीएम ने कहा कि नीतीश जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार बिहार को जंगलराज से बाहर लाई। वो डकैत और लूटेरे अभी छिपे हुए हैं। मौके की तलाश में हैं। गलती से भी इंडी वाले मजबूत होते दिखे तो फिर उनका दाना-पानी मिलेगा। ये फिर से आपका भविष्य तबाह कर देंगे। पीएम मोदी ने कहा कि 4 जून की शाम होते-होते आरजेडी वाले कहेंगे कांग्रेस ने लुटिया डुबो दी। कांग्रेस के शाही परिवार वाले ठिकरा खड़गे जी के सिर पर फोड़कर विदेश चले जाएंगे। इससे पहले उन्होंने पटना के बिक्रम में बीजेपी प्रत्याशी रामकृपाल यादव के लिए चुनावी जनसभा की। यहां पीएम मोदी ने कहा कि ऐसा लग रहा कि आप लोग मनेर के लड्डू खाकर आए हैं। 4 जून के लिए मनेर के लड्डू तैयार रखिए।

मोदी बोले- जंगल राज पार्ट-2 से सावधान रहना है

पीएम मोदी ने कहा कि अगर ये इंडी वाले चुनाव में जीते और दिल्ली पहुंचे तो ये संविधान बदल देंगे। इनसे पूछा कि सत्ता में आए तो संविधान नहीं बदलेंगे लिखकर दो। आरक्षण नहीं बदलेंगे लिखकर दो। एक महीना हो गया, कोई बोलने को तैयार नहीं। मतलब इनके मन में खोट है। बिहार के लोग राजनीति का आंकलन करने में पक्के हैं। वे वोट डालने से पहले 50 बार सोचते हैं कि मेरा मत बेकार तो नहीं जाएगा ना। वो सोचते हैं जिसकी सरकार बनना पक्का है उसे ही वोट डालूंगा। इसलिए मुझे पक्का भरोसा है कि बिहार के लोग वोट डालकर प्रधानमंत्री भी पक्का कर लेंगे।

जिसने देश को लूटा, जेल जाना पड़ेगा

पीएम ने कहा कि इंडी वाले कहते थे बड़े भ्रष्टाचारियों पर हाथ डाला तो मोदी की कुर्सी हिला देंगे। मोदी डरता नहीं है। जिसने गरीब को लूटा है कितना ही बड़ा क्यों ना हो उसे जेल जाना ही पड़ेगा। जेल की रोटी खानी ही पड़ेगी।

तेजस्वी पर पीएम मोदी ने बड़ा हमला बोला

पीएम मोदी ने लालू और तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों से नौकरी के बदले जमीन लेने वाले लोगों का जेल का काउंटडाउन शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि हेलिकॉप्टर का चक्कर खत्म होते ही इनके लिए जेल का रास्ता खुल जाएगा।

पीएम ने जंगलराज की याद दिलाई

पीएम ने जंगलराज का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इसके बारे में फर्स्ट टाइम वोटर्स को पता होना चाहिए। पहले बिहार में लोग रात में बाहर नहीं निकलते थे। अपहरण, डकैती, हत्या ये बिहार का दुर्भाग्य बन गया था। नीतीश जी के नेतृत्व में ह्ष्ठ सरकार बिहार को जंगलराज से बाहर लाई। वो डकैत और लूटेरे अभी छिपे हुए हैं। मौके की तलाश में हैं। गलती से भी इंडी वाले मजबूत होते दिखे तो फिर उनका दाना-पानी मिलेगा। ये फिर से आपका भविष्य तबाह कर देंगे।

लालू ने नौकरी के बदले जमीन लिखवाई- पीएम मोदी

इससे पहले पटना के बिक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि इंडी वाले गालियां दें मतलब साफ है कि ह्ष्ठ की सफलता का एग्जिट पोल आ गया है। 4 जून को नया रिकॉर्ड बनेगा। पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी के कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम पूरा देश देख रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि ये इंडी गठबंधन वाले अपने वोट बैंक के गुलाम हैं। इंडी वालों को अपने वोट बैंक की गुलामी करनी है तो करें। वहां जाकर मुजरा करना है तो करें। मैं आरक्षण के साथ डटकर खड़ा रहूंगा। उन्होंने कहा कि इंडी वालों का एक ही सूत्र है अपना काम बनता, भाड़ में जाए जनता। बिहार में लालटेनिया लेकर घूम रहे हैं। ये लालटेन सिर्फ एक ही घर में रोशनी करती है। चारों तरफ अंधेरा हो जाए तो हो जाए।

जिसने गरीब को लूटा, उसे जेल जाना ही होगा- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि इंडी वाले कहते थे बड़े भ्रष्टाचारियों पर हाथ डाला तो मोदी की कुर्सी हिला देंगे। मोदी डरता नहीं है। जिसने गरीब को लूटा है कितना ही बड़ा क्यों ना हो उसे जेल जाना ही पड़ेगा। जेल की रोटी खानी ही पड़ेगी।

मोदी किसी से नहीं डरता- पीएम

काराकाट में पीएम ने कहा कि मोदी इनकी तरह डरता नहीं है। मोदी ने सेना को कहा जाओ घर में घुसकर मारो। आज पाकिस्तान कुछ करने से पहले सौ बार सोचता है। इसी कांग्रेस के राज में, आरजेडी के राज में नक्सलियों ने सबको डराकर रखा था। मोदी डरता नहीं।

370 पर इंडी गठबंधन वालों ने देश को डराने का काम किया- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन वाले देश को डराते थे। 70 साल से ये देश को डराते थे। कहते थे 370 हटा तो देश में धमाके होंगे। राम मंदिर बना तो खून बहेगा। मोदी इनकी धमकियों से ना डरा है ना रुका है। धारा 370 की दीवार आज टूट चुकी है। कहीं आग लगी क्या। कोई पाकिस्तान भागा क्या। देश में धमाके हुए क्या। ये डरपोक कांग्रेस और डरपोक आरजेडी वाले कह रहे हैं पाकिस्तान के पास परमाणु बम है। डरो।

थोड़ी देर में काराकाट और बक्सर में जनसभा करेंगे

पटना के बिक्रम में सभा करने के बाद पीएम मोदी अब काराकाट में उपेंद्र कुशवाहा और बक्सर में मिथिलेश तिवारी के लिए जनसभा करेंगे।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623